सांध्य दैनिक
# 4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 290 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 28 नवम्बर, 2024
मूल्य ₹ 3/-

समय सीमा पर काम खत्म कर लेना काफी नहीं है, समय सीमा से पहले काम खत्म होने की अपेक्षा रखनी चाहिए।
-धीरूभाई अंबानी

जसप्रीत बुमराह फिर बने टेस्ट... 7 | झारखंड व महाराष्ट्र के चुनावी... 3 | कटेहरी का परिणाम शासन... 2

# महाराष्ट्र में सियासी ड्रामा खत्म अखिलेश की बात में दम

## अभी तो सिर्फ मुख्यमंत्री छीना है आगे पिछड़ों के अधिकार भी छीनेगी बीजेपी : सपा प्रमुख

### » बीजेपी ने कूटनीति की सारी हदें लांघी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में सरकार बनाने जा रही महायुति गठबंधन का सियासी ड्रामा खत्म हो चुका है। कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बैक गियर लगा लिया है, अजीत पवार ने खमोशी की चादर ओढ़कर देवेन्द्र फडणवीस का रास्ता क्लियर कर दिया है। महाराष्ट्र के अगले मुख्यमंत्री अगड़ी जाति के फडणवीस होने जा रहे हैं। फडणवीस के पक्ष में महौल बनाने के लिए भाजपा नेता कैलाश मंगला ने उनके सरकारी आवास 'सागर' के बाहर उन्हें मुख्यमंत्री घोषित करने की मांग वाला बैनर लटका दिया है जिसमें फडणवीस को शपथ लेते हुए दिखाया गया है।

फडणवीस पर समाजवादी पार्टी की ओर कटाक्ष करते हुए कहा गया है कि वहां एक पिछड़े व्यक्ति के चेहरे पर चुनाव लड़ा गया। लेकिन वोट मिलने के बाद उसे हटा कर अगड़ी जाति के व्यक्ति को शीर्ष कुर्सी नवाजी जा रही है। यह कहां का इंसाफ है। सपा पीडीए की लड़ाई लड़ती रहेगी। महाराष्ट्र में अपने मुख्यमंत्री का सपना बीजेपी का पूरा होने वाला है। इस सपने को पूरा करने के लिए बीजेपी ने कूटनीति की सारी हदें लांघ कर एक नहीं बल्कि महाराष्ट्र की दो-दो सियासी पार्टियों का पोस्टमार्टम करने में गुरेज नहीं किया। एनसीपी और शिवसेना के विभीषण के जरिये आखिरकार सरकार बना ही ली। महाराष्ट्र में बीजेपी के समाने न तो कोई राजनीतिक मजबूरी है और न ही किसी बागी का डर। वहां न तो मध्य प्रदेश की तरह कोई शिवराज सिंह चौहान बचे हैं और ना ही हरियाणा जैसी राजनीतिक स्थितियां है। तभी तो बहुत संभलकर और सधे हुए अंदाज में करीने से एकनाथ शिंदे को किनारे लगा दिया गया। जबकि पूरा चुनाव एकनाथ के नाम पर लड़ा गया।

### महायुति में कभी भी किसी के बीच कोई मतभेद नहीं : फडणवीस

कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के समर्पण के बाद पूर्व मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने बयान जारी कर कहा कि हमारी महायुति में कभी भी किसी के बीच कोई मतभेद नहीं रहे हैं। हमने हमेशा मिलकर निर्णय लिए हैं और चुनाव से पहले भी हमने यही कहा था कि चुनाव के बाद हम साथ बैठकर निर्णय करेंगे। जिन लोगों के मन में कुछ शंकाएं थी, उन्हें दूर करने का काम एकनाथ शिंदे ने किया है। जल्द ही हम अपने नेताओं के साथ बैठकर उचित निर्णय लेंगे।

### एकनाथ ने खुद किया समर्पण

एकनाथ शिंदे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि महाराष्ट्र में सरकार बनाने के लिए मेरी तरफ से कोई अड़चन नहीं है। पीएम मोदी जो निर्णय लेंगे, वह मुझे मंजूर होगा। मैं चट्टान की तरह पीएम मोदी के साथ खड़ा हूं। पीएम मोदी भी चट्टान की तरह मेरे साथ खड़े हैं। बीजेपी का मुख्यमंत्री मुझे मंजूर होगा। मुझे पीएम मोदी और अमित शाह का फैसला मंजूर है। पीएम मोदी जो कुछ भी निर्णय लेंगे, वह शिवसेना को मंजूर है। महायुति मजबूत है और हम सब मिलकर काम करने को तैयार हैं।

### सपा की बात सच साबित हुई!

सपा के वरिष्ठ नेता मनोज यादव कहते हैं कि मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए एकनाथ शिंदे ने महाराष्ट्र में पिछड़ों के हितों के लिए एतिहासिक कार्य किया है। उनके नाम पर चुनाव लड़ा गया और उन्हें ही हटा दिया गया। बीजेपी ने अभी तो पिछड़ों से सिर्फ मुख्यमंत्री का पद छीना है, आने वाले समय में महाराष्ट्र में पिछड़ों के और भी अधिकार छीने जाएंगे। महाराष्ट्र में बीजेपी का असली चेहरा सामने आने वाला है यदि फडणवीस को मुख्यमंत्री बनाया जाता है। अगर शिंदे को मुख्यमंत्री नहीं बनाया जा रहा है तो वहां किसी पिछड़े को ही मुख्यमंत्री बनाया जाये। वह कहते हैं कि यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव लगातार इस तरह के आरोप बीजेपी पर लगाते रहते हैं कि वह पिछड़ों के हितो का ख्याल नहीं रखती है।

# प्रियंका गांधी ने शुरू की नई सियासी पारी

### » लोकसभा में नेहरू-गांधी परिवार की 16वीं सदस्य बनीं प्रियंका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। विधिवत रूप से प्रियंका गांधी ने आज से अपनी सक्रिय राजनीति की शुरुआत कर दी है। उन्होंने सांसद के रूप में शपथ ले ली है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने उन्हें शपथ दिलाई। इसके साथ ही देश की संसद में गांधी परिवार के एक और सदस्य का प्रवेश हो गया है। प्रियंका गांधी नेहरू परिवार की 16वीं सदस्य हैं जो लोकसभा के लिए निर्वाचित हुई हैं। देश के संसदीय इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ जब लोकसभा में गांधी परिवार का कम से कम एक सदस्य न पहुंचा हो।

ऐसे भी मौके आए हैं जब गांधी-नेहरू परिवार से जुड़े 5-5 सदस्य लोकसभा में एक साथ पहुंचे। उधर सियासी गलियारें में यह चर्चा होने लगी है कि उनके आने से कांग्रेस ही नहीं इंडिया गठबंधन भी मजबूत होगी। संसद पहुंचने के बाद जब प्रियंका गांधी से पूछा गया कि पहली बार बतौर सांसद संसद भवन पहुंचकर उन्हें कैसा लग रहा है तो इस पर प्रियंका गांधी ने मुस्कुराते हुए कहा कि मैं बहुत खुश हैं। प्रियंका गांधी के साथ सोनिया गांधी और राहुल गांधी भी संसद भवन पहुंचे।

**प्रियंका गांधी को लेकर कांग्रेस सांसदों में भारी उत्साह**

संसद की कार्यवाही भले ही नहीं हो पा रही है, लेकिन विपक्षी सांसदों में प्रियंका गांधी के संसद पहुंचने को लेकर काफी उत्साह है। यही वजह है कि संसद में प्रियंका गांधी के पहले दिन कांग्रेस सांसदों में उनके साथ तस्वीर खिंचवाने का उत्साह बना रहा। खुद राहुल गांधी भी प्रियंका गांधी की संसद भवन में तस्वीरें खींचते दिखाई दिए।

# एमवीए से अलग नहीं होगी उद्धव सेना : संजय राउत

### » बोले- हमने कभी दिल्ली से भीख नहीं मांगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने गुरुवार को पुष्टि की कि महाराष्ट्र में हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनावों में सत्तारूढ़ भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति की शानदार जीत के बाद विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) में कोई दरार नहीं है। उन्होंने अफवाहों को निराधार बताया और पुष्टि की कि उद्धव सेना एमवीए नहीं छोड़ रही है।

इंडिया ब्लॉक के नेतृत्व वाला गठबंधन 2024 के लोकसभा चुनावों में एक साथ लड़ने में सफल रहा।

विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद अगर कोई यह (अफवाह) कहता है, तो यह उनकी निजी राय हो सकती है। जब हम आम चुनाव जीते थे, तो किसी ने नहीं कहा कि उद्धव सेना को गठबंधन से अलग हो जाना चाहिए। एकनाथ शिंदे बालासाहेब का नाम लेते हैं और शिवसेना के नाम पर राजनीति करते हैं लेकिन उनके फैसले दिल्ली में होते हैं। बाला साहेब ठाकरे की शिव सेना का भविष्य कभी दिल्ली में तय नहीं हुआ।

# कटेहरी का परिणाम शासन प्रशासन ने छीना : अखिलेश

## » बोले- उपचुनाव में भाजपा के लोगों ने कम प्रशासन ने ज्यादा मेहनत की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अंबेडकरनगर। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव का भाजपा की मोदी व योगी सरकार पर हमला जारी है। उन्होंने कहा कि यूपी में हुए उपचुनाव में भाजपा ने बेईमानी से जीत हासिल की है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि इन चुनाव में भाजपा ने हमें चुनाव लड़ने की ट्यूशन दी है। अंबेडकरनगर जिले के दौरे पर पहुंचे पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कहा है कि कटेहरी का परिणाम शासन-प्रशासन ने छीना है। यह सपा की जीती हुई सीट थी जिसे भाजपा ने बेईमानी से जीता है। जब भाजपा को लगा कि खुद नहीं जीतेंगे तो अफसरों को आगे कर दिया।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने उन्हें चुनाव लड़ने का नया तरीका सिखाया है। कोचिंग दी है। हमारी सरकार आने पर हम अफसरों को देखेंगे। उन्होंने कहा कि इन चुनाव में भाजपा कार्यकर्ताओं ने कम प्रशासन ने ज्यादा वोट डाला। उन्होंने कहा कि यह उपचुनाव लखनऊ और दिल्ली के बीच की लड़ाई थी, जिसमें लखनऊ को दिखाना था कि हम जीत गए। इस चुनाव में लोकतंत्र और संविधान पर चोट की गई। एनटीपीसी और निजी कंपनियों के सीएसआर का उपयोग कर जिले में स्कूटी और सिलाई मशीन बांटी गई। प्रधान और कोटेदार के साथ क्या हुआ सबको पता है। संभल की घटना को साजिश बताते हुए कहा कि जिस तरह कुछ लोग माहौल खराब कर दिल्ली तक पहुंचे। अब उसी राह पर यूपी में चलने की कोशिश हो रही है। अखिलेश ने सुप्रीम कोर्ट से मामले का स्वत: संज्ञान लेने की मांग की । कहा कि चुनावी बेईमानी से ध्यान हटाने के लिए भी संभल कांड कराया गया। दूसरे सर्वे में भाजपा के लोग नारे लगाते चल रहे थे उन पर कार्रवाई क्यों नहीं की गई?

अंबेडकरनगर में पूर्व सांसद त्रिभुवन दत्त की बेटी के विवाह समारोह में सम्मिलित हुए सपा प्रमुख अखिलेश यादव।

### लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे को योगी सरकार ने किया बर्बाद

पूर्व सीएम ने कहा कि लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे में डॉक्टरों की दुर्घटना में मौत बहुत दुखद है। ये चिकित्सक देश व प्रदेश का भविष्य थे पर प्रशासनिक लापरवाही का शिकार ये होनहार बन गए है। सपा सरकार ने एक अच्छी सड़क बनाई थी परंतु बीजेपी सरकार ने इसकी अनदेखी करके उसे बर्बाद कर दिया।

# भाजपा ने गुंडों का मन बढ़ा दिया है : अरविंद केजरीवाल

## » बोले- मेरी कार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने रोका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल बोले, पिछले दो से ढाई वर्ष से दिल्ली की कानून व्यवस्था बेहद खराब है। हमने कहानियां सुनी हैं कि 90 के दशक में मुंबई अंडरवर्ल्ड की गिरफ्त में थी, लेकिन कभी नहीं सोचा था कि दिल्ली ऐसी हो जाएगी।

उन्होंने आगे कहा कि कुछ दिन पहले नांगलोई के एक व्यवसायी रोशन लाल ने जब अपनी दुकान खोली तो दो लोग आए और उनकी दुकान पर फायरिंग कर दी। उन दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, लेकिन उनके इरादों और मास्टरमाइंड के बारे में कोई जांच पड़ताल नहीं हुई है। आज मैं रोशन लाल से मिलने आया था लेकिन भाजपा ने अपने कार्यकर्ताओं को भेज दिया और मेरी कार को रोशल लाल की दुकान पर जाने से रोका गया।

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गृहमंत्री अमित शाह पर बड़ा हमला बोला है। बिगड़ती कानून व्यवस्था पर केजरीवाल ने अमित शाह पर हमला बोलते हुए कहा कि दिल्ली में हर तरफ असुरक्षा का माहौल है। दिन दहाड़े गोलियां चलाई जा रही हैं। दिल्ली में करोड़ों रुपए की फिरौती मांगी जा रही है। अमित शाह ने दिल्ली की क़ानून व्यवस्था का मज़ाक़ बनाकर रख दिया है।

### केजरीवाल को कुछ हो गया तो दिल्ली पुलिस भी जिम्मेदार : रघुविंदर शौकीन

दिल्ली के नांगलोई जाट विधायक रघुविंदर शौकीन ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर बड़ा आरोप लगाया है। विधायक ने कहा है कि भाजपा के कहने पर गुंडों ने इलाके को घेर लिया है, जहां आप के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल आ रहे थे। रघुविंदर के मुताबिक अगर केजरीवाल को कुछ भी होता है तो उसके लिए दिल्ली पुलिस और भाजपा जिम्मेदार होगी। विधायक रघुविंदर शौकीन ने अपने एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट साझा की है। जिसमें लिखा है कि अरविंद केजरीवाल नांगलोई जाट मे एक अपराध पीड़ित परिवार से मिलने आ रहे थे। उस पूरे इलाके को गुंडो ने घेर लिया है और पुलिस तमाशा देख रही है। केजरीवाल को अगर आज कुछ हो गया तो दिल्ली पुलिस और गृहमंत्री अमित शाह जिम्मेदार होंगे।

# झांसी अग्निकांड के मुख्य आरोपी को बचा रही सरकार : अजय राय

## » बोले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष- अस्पतालों में बढ़ गया है भ्रष्टाचार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। झांसी मेडिकल कॉलेज अग्निकांड में 10 बच्चों की तुरंत और आठ की इलाज के दौरान मौत होने के बाद भी सरकार न सिर्फ चुप है बल्कि मुख्य आरोपी को बचा रही है। यह आरोप कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने लगाया है।

उन्होंने कहा कि इस हृदय विदारक घटना के बाद यह साफ हो गया है कि मेडिकल कॉलेज में सुरक्षा मानकों के साथ किस तरह से खिलवाड़ किया गया। वहां किस कदर भ्रष्टाचार था। अजय राय ने कहा कि सरकार की संवेदनहीनता इसी से समझी जा सकती है कि इस दुखद अग्निकांड के मुख्य आरोपी झांसी मेडिकल कॉलेज के कार्यवाहक प्राचार्य नरेन्द्र सिंह सेंगर जो कि सत्ता के करीबी हैं, उन्हें सरकार द्वारा बचाने की पूरी कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार कार्यवाही के नाम पर सिर्फ दिखावे के लिए कुछ छोटे कर्मचारियों को निलंबित कर अपना पल्ला झाड़ लेना चाहती है। नरेन्द्र सिंह सेंगर को तत्काल बर्खास्त किया जाए व उनकी गिरफ्तारी की जाए। छोटे-छोटे अपराधों में घरों पर बुल्डोजर चलवा देने वाली व निर्दोषों को जेल भेजने वाली प्रदेश सरकार पता नहीं किस कारण से झांसी अग्निकांड के आरोपियों को बचाने का प्रयास कर रही है। वह खुद घटना स्थल पर गये थे। सरकार इस दुखद घटना की लीपापोती कर रही है।

# 'बांग्लादेश मामले में उचित कार्रवाई करे केंद्र सरकार'

## हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर बोलीं सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। विधानसभा में बांग्लादेश के मुद्दे पर बोलते हुए पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि हम नहीं चाहते कि किसी भी धर्म को नुकसान पहुंचे। मैंने यहां इस्कॉन से बात की है। चूंकि यह दूसरे देश का मामला है, इसलिए केंद्र सरकार को इस पर उचित कार्रवाई करनी चाहिए।

उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हम इस मुद्दे पर केंद्र सरकार के साथ हैं। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि यह बहुत गंभीर और परेशान करने वाला लगता है। सभी भारतीय चिंतित हैं क्योंकि यह हमारा पड़ोसी है, जिसकी भलाई के बारे में हम चिंतित हैं। न सिर्फ विदेश मंत्रालय ही हालात पर नजर रख रहा है बल्कि जो रिपोर्ट आ रही है उससे सभी चिंतित भारतीय नागरिक चिंतित हैं। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों से पता चलता है कि उस देश की अंतरिम सरकार ''कट्टरपंथियों के चंगुल'' में है। उन्होंने इस मामले में संयुक्त राष्ट्र से हस्तक्षेप करने को कहा।

### बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसा निंदनीय : गहलोत

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसा और समुदाय के नेता चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी की निंदा की है। उन्होंने केन्द्र सरकार से वहां रहे हिन्दू समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। गहलोत ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी पोस्ट में लिखा, ''बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ लगातार जारी हिंसा एवं इस हिंसा के खिलाफ लगातार बोल रहे श्री चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी निंदनीय है।' बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद से ही हिंदुओं के विरुद्ध हिंसा जारी है परन्तु नयी सरकार ने इसे रोकने के लिए कोई सख्त कदम नहीं उठाए हैं। 1970 के दशक में जब ऐसी गतिविधियां हुईं थीं तब तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी ने सख्त कदम उठाकर वहां हिंदुओं एवं सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित की थी।'' पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि '' भारत सरकार को हस्तक्षेप कर वहां रह रहे हिंदू समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए।

# सरकार डराने की कर रही कोशिश : बजरंग

## » नाडा के निर्णय पर पहलवान ने उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सोनीपत (हरियाणा)। ओलंपिक में कांस्य पदक विजेता एवं अखिल भारतीय किसान कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बजरंग पहलवान ने उन पर नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी (नाडा) की तरफ से लगाए चार साल के प्रतिबंध पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार उन्हें डराने की कोशिश कर रही है। वह डरने वाले नहीं हैं। वह किसानों व पहलवानों की लड़ाई लड़ते रहेंगे। वह नाडा के प्रतिबंध के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

बजरंग पूनिया ने कहा कि शायद उनका पहला केस है जिसमें चार साल का प्रतिबंध लगाया गया। ऐसे आरोप में दो साल के ही प्रतिबंध का प्रावधान है। साथ ही कहा कि डोपिंग एजेंसी को उनकी तरफ से की गई शिकायत पर सालभर बाद भी कोई कार्रवाई नहीं होना सब कुछ खुद ही बयां करता है। पहलवान बजरंग पूनिया को नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी (नाडा) ने चार साल के लिए निलंबित कर दिया है। बजरंग ने 10 मार्च को राष्ट्रीय टीम के चयन के लिए ट्रायल के दौरान डोप टेस्ट नहीं देने के चलते कार्रवाई हुई है। टोक्यो ओलंपिक में बजरंग पूनिया को इससे पहले 23 अप्रैल को अस्थायी रूप से निलंबित किया गया था। इसके बाद विश्व कुश्ती संगठन ने भी उनके खिलाफ कार्रवाई की थी।

# झारखंड व महाराष्ट्र के चुनावी परिणाम देंगे नए आयाम !

## विस नतीजों ने इंडिया व एनडीए गठबंधन को दिखाया आईना

» सोरेन व शिंदे का जलवा रहा कायम

» जनता के मन को टटोलना अब नहीं रहा आसान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दो राज्यों झारखंड व महाराष्ट्र में वहीं सरकारें वापस आई हैं जो वहां पर मौजूद थी। इन दोनों राज्यों के परिणाम आने वाले समय में राजनीति को नये आयाम देंगे। जहां झारखंड ने इंडिया गठबंधन को मजबूती दी वहीं महाराष्ट्र ने भी कुछ इशारा किया। दोनों ही राज्यों में सियासी उठपपटक पूरे पांच साल चरम पर देखने को मिला था। जहां महाराष्ट्र में शिवसेना व भाजपा की सरकार आपसी मतभेद में गिरी फिर शिवेसना व राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को तोड़कर भाजपा ने सत्ता को हथिया लिया।

काफी खींचतान के बीच चली सरकार 24 के विधान सभा चुनाव में उतरी। महायुति के नाम से शासन कर रही सरकार ने अपने विपक्षी गठबंधन महाविकास अघाड़ी को हराकर 230 सीटों के साथ सरकार बनाने का दावा किया। वही दूसरे राज्य झारखंड में झामुमो को 56 सीटें मिली और वह फिर से सत्ता पर काबिज हो गई, इस तरह से दोनों राज्यो में सत्तारूढ़ दल की ही सरकार बनी। देश के दो राज्यों के साथ कुछ राज्यों के उपचुनाव के परिणाम ने सत्ता पक्ष के प्रति अपना जनादेश दिया है। हर चुनाव में सत्ता के प्रति जनता में किसी न किसी बात पर आक्रोश रहता है, लेकिन महाराष्ट्र और झारखण्ड के चुनाव में ऐसा कुछ भी दिखाई नहीं दिया। जनता ने फिर से उन्हीं सरकारों को फिर से सत्ता संभालने की जिम्मेदारी दी है, जो सत्ता में थी। खास बात यह है कि महाराष्ट्र और झारखण्ड में सत्ता धारी गठबंधन को पहले से ज्यादा सीटें मिली हैं। यह जनादेश न तो किसी के उछलने का मार्ग तैयार करता है और न ही किसी को नकारने की स्थिति पैदा करता है। जहां तक खुशियाँ मनाने की बात है तो महाराष्ट्र में भाजपा नीत गठबंधन जीत की खुशी मना रहा है तो झारखण्ड में इंडी गठबंधन के गले में विजयी माला पहनाई गई है। वहीं उपचुनाव में सबको खुशी और सबक दोनों ही दिए हैं।

## सोरेन का जलवा अब भी कायम

महाराष्ट्र में हुए विधानसभा चुनावों के परिणाम भाजपा के लिए निश्चित ही अच्छे कहे जा सकते हैं, लेकिन झारखण्ड में सरकार बनाने का सपना लेकर मैदान में उतरी भाजपा को फिर से तैयारी करनी होगी। झारखण्ड के परिणाम को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रति उपजी सहानुभूति को आधार बताया जा रहा है। पिछले दिनों झारखण्ड में हुए भ्रष्टाचार के आरोप में हेमंत सोरेन को मुख्यमंत्री पद से अलग होना पड़ा था। जिसके बाद हेमंत सोरेन ने चुनाव में इसी को अपना राजनीतिक हथियार बनाया था और चुनाव में अपने पक्ष में वातावरण बनाया। ऐसा लगता है कि झारखंड में भाजपा अपनी ताकत और कमजोरी को भाँपने में विफल हो गई। झारखण्ड में भाजपा इतनी अप्रभावी नहीं कही जा सकती, जैसा उसका इस चुनाव में प्रदर्शन रहा है। पिछले विधानसभा के चुनाव में भाजपा के प्रादेशिक नेताओं की तनातनी जगजाहिर थी, जिसका परिणाम भाजपा के लिए ठीक नहीं था। हालाँकि इस चुनाव में भाजपा ने पिछली गलती को सुधारने का भरसक प्रयास किया, लेकिन वह सत्ता के सीढ़ी का निर्माण कर पाने में असफल रही। अब झारखण्ड में फिर से झारखण्ड मुक्ति मोर्चा की सरकार बनेगी और मुख्यमंत्री के रूप में हेमंत सोरेन फिर मुख्यमंत्री होंगे, यह भी तय लगता है।

## महाराष्ट्र के चुनावों ने दिए संदेश

परिणाम के बाद अब महाराष्ट्र के चुनावों के बारे में जो राजनीतिक निष्कर्ष निकाले जा रहे हैं, उसके अनुसार यही कहा जा रहा है कि झारखंड और महाराष्ट्र में राजनीतिक हवा अलग अलग दिशा में बह रही थी। जिसने हवा का रुख भांप लिया, वह हवा के साथ ही चला और सत्ता प्राप्त करने में सफलता हासिल की। महाराष्ट्र में शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के विभाजन के बाद हुए चुनावों में कांग्रेस के साथ रहने वाले शिव सेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को जनता ने नकार कर शायद यही सन्देश दिया है कि यह सत्ता के लिए किया गया बेमेल गठबंधन ही था। महाराष्ट्र में ऐसे जनादेश का क्या अर्थ होना चाहिए कि एक गठबंधन जीत गया तो दूसरा गठबंधन हार गया। इसी प्रकार झारखण्ड में भी जनादेश की भी समीक्षा की जाने लगी है।

## झारखंड में भाजपा का दांव पूरी तरह फेल हो गया

भाजपा का एजेंडा झारखंड में पूरी तरह से फेल होता हुआ दिखाई दिया, जबकि भाजपा ने राज्य में चुनाव प्रचार में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह दोनों ने ही लाइव रैलियां कीं। बता दें कि इस बार के झारखंड के चुनाव में आइएनडीआइए (इंडिया) और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) गठबंधनों के बीच सीधी और जबर्दस्त टक्कर हुई। कांटे की इस टक्क र में हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली 'इंडिया' गठबंधन ने शानदार प्रदर्शन किया। इस चुनाव में इंडिया गठबंधन की ओर से सबसे ज्यादा झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) कुल 34 सीटें जीत कर सबसे आगे रही। वहीं, कांग्रेस ने 16 सीटों पर जीत दर्ज की है, जबकि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने 04 और कम्यूनिष्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सिस्ट-लेनिनिस्ट लिबरेशन) यानी सीपीआई (एमएलएल) ने 02 सीटों पर जीत दर्ज करने में सफलता प्राप्त की। इस प्रकार देखा जाए तो इंडिया गठबंधन ने राज्य की कुल 81 में से 56 सीटें प्राप्त कर न केवल अपनी सरकार बचा ली है, बल्कि जबर्दस्त वापसी की है। दूसरी ओर एनडीए गठबंधन को झारखंड चुनाव में एक बार फिर भारी नुकसान उठाना प?ा है। बता दें कि एनडीए गठबंधन के लिए सबसे ज्यादा भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने 21 सीटों पर जीत दर्ज की। वहीं, ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (आजसू), जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) और लोकतांत्रिक जनता पार्टी (लोजपा) रामविलास ने एक-एक सीटों पर जीत दर्ज करने में सफलता पाई है। तात्पर्य यह कि झारखंड विधानसभा चुनाव में एनडीए को कुल 24 सीटें मिली हैं।

## झामुमो ने राजनीतिक परिपक्वता दिखाई

इससे पहले एग्जिट पोल में राज्य में बीजेपी और उसकी अगुवाई वाले एनडीए को स्पष्ट तौर पर विजेता के रूप में दिखाया जा रहा था, लेकिन परिणाम बताते हैं कि हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाले झारखंड मुक्ति मोर्चा और इंडिया गठबंधन ने राज्य की जनता को अपने वादों और दावों के प्रति लुभाने में सफलता प्राप्त करते हुए बंपर जीत हासिल की। वहीं, दूसरी ओर बीजेपी अपनी सारी ताकत झोंकने के बाद भी आदिवासियों समेत राज्य की जनता को इंप्रैस नहीं कर पाई। बता दें कि भाजपा ने झारखंड में चुनावों से पहले 'लव जिहाद' तथा 'लैंड जिहाद' का मुद्दा बेहद जोर-शोर से उठाया था। गौरतलब है कि भाजपा की ओर से की गई हिंदू और मुस्लिम ध्रुवीकरण की कोशिश के बीच हेमंत सोरेन बिल्कुल शांत और उकसाने वाले बयानों से बचते दिखे। यह निश्चित रूप से हेमंत सोरेन की राजनीतिक परिपक्वता को दर्शाता है। हालांकि, उनकी ही पार्टी के कुछ नेता और इंडिया गठबंधन के अन्य घटक दलों के कई नेता कई मौके पर लगातार हिंदू-मुसलमान करते अवश्य देखे और सुने गए। इस प्रकार, राज्य में पूरे चुनावी काल में हिंदू-मुसलमान के नाम पर विष-वमन होता रहा।

## अनिर्णय की स्थिति भी भाजपा को दे गई हानि

झारखंड में भारतीय जनता पार्टी के भीतर कुछ नए और पुराने नेताओं को लेकर लंबे समय से असमंजस की स्थिति बनी हुई है कि राज्य के भावी मुख्यमंत्री के रूप में किसे नेतृत्व सौंपा जाए- नए, तेज-तर्रार और युवा नेता को अथवा पुराने, स्थापित और मजे हुए नेता को। ऐसा बताया जाता है कि पार्टी के भीतर कलह और मनमुटाव जारी रहने के कारण इस बात पर एक राय नहीं बन पाई कि झारखंड विधानसभा चुनाव से पहले उसकी ओर से किस नेता को मुख्यमंत्री के तौर पर प्रस्तुत किया जाए। यही कारण है कि बड़ी संख्या में राज्य की गैर-आदिवासी जनता ने भी उसे नकार दिया। बता दें कि किसी भी कार्य में अनिर्णय की स्थिति गलत या बुरे निर्णय से भी अधिक घातक मानी जाती है। राजनीति में तो यह बिल्कुल ही नहीं चलने वाली। इसलिए अब कम-से-कम भाजपा को इसे गंभीरता से लेना होगा और भविष्य में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए इस बात पर प्राथमिकता से विचार करते हुए पार्टी की ओर से राज्य को प्रतिनिधित्व देने का प्रयास करना ही होगा, अन्यथा पार्टी चाहे जितने भी प्रयास क्यों न कर ले, 2024 दोहराने के लिए राज्य की जनता हमेशा बाध्य होती रहेगी।

## सहानुभूति का साथ , हेमंत पर कायम रहा विश्वास

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 31 जनवरी को 8.36 एकड़ जमीन के अवैध कब्जे से जु? मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के सिलसिले में गिरफ्तार किया था। इसे मुद्दा बनाकर भाजपा ने चुनाव के दौरान झामुमो नेता के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप लगाए, किंतु यह हमला उस पर ही भारी पड़गया। दरअसल, जब हेमंत सोरेन जेल में थे, तो उन्होंने अपनी पत्नी कल्पना सोरेन को पीड़ित (विक्टिम) कार्ड खेलने के लिए प्रेरित किया, जिसके पश्चात् कल्पना राज्य की आदिवासी जनता के बीच जाकर उनसे अपने विरूद्ध भाजपा शासन द्वारा साजिशें किए जाने की बात बताती रहीं। दूसरी ओर भाजपा इस भ्रम में बैठी रही कि उसकी रणनीति राज्य के विधानसभा चुनाव में सफल हो जाएगी। ऊपर से महत्वपूर्ण चुनावों से ठीक पहले हेमंत सोरेन को जेल से बेल पर छोड़ा जाना भाजपा की सेहत के लिए और घातक हो गया। चुनाव के दौरान हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी ने जम कर पीड़ित कार्ड खेला और अंततः राज्य के आदिवासियों को बहलाने-फुसलाने में सफल हुए। यही कारण है कि झारखंड के आदिवासी क्षेत्रों में इस बार मतदान प्रतिशत रिकॉर्ड स्तर पर रहा। बता दें कि राज्य की 26 आरक्षित सीटों में से 21 सीटों पर जेएमएम प्रत्याशी विजयी हुए, जो यह दर्शाता है कि राज्य के आदिवासी मतदाताओं ने भाजपा को इस चुनाव में बुरी तरह से नकार दिया है।

## जिद... सच की

# हर शख्स परेशान सा क्यों हैं!



Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

**"ऐसा देखने को मिला है जब से सत्ता में वर्तमान सरकार आई है लोगों के बीच तनाव बढ़ा है इसलिए भी लोगों चेहरे पर वह खुशी नहीं दिखाई देती जो दिखाई देनी चाहिए थी। उधर शोध में यह बात सामने आ रही है कि उदासी की एक बड़ी वजह प्रदूषण भी है। अब इस रिपोर्ट के बाद सरकारों को गंभीरता से सोचना होगा कि ऐसा क्या करें कि लोगों अंदर उदासी घर न करने पाए।**

*पिछले दस सालों में भारत दुनिया के कई मामलों में पिछड़ता जा रहा है। अभी हाल में रिपोर्ट आई जिसमें भारत दुनिया का सबसे उदास देश है। अब तो यही लग रहा कि यहां हर शख्स परेशान सा क्यों है। इससे पहले हंगर इंडेक्स, अपराध, गरीबी जैसे मामलों में भारत पिछड़ गया था। ऐसा देखने को मिला है जब से सत्ता में वर्तमान सरकार आई है लोगों के बीच तनाव बढ़ा है इसलिए भी लोगों चेहरे पर वह खुशी नहीं दिखाई देती जो दिखाई देनी चाहिए थी। उधर शोध में यह बात सामने आ रही है कि उदासी की एक बड़ी वजह प्रदूषण भी है। अब इस रिपोर्ट के बाद सरकारों को गंभीरता से सोचना होगा कि ऐसा क्या करें कि लोगों अंदर उदासी घर न करने पाए। पर इसके लिए राजनीतिक इच्छा शक्ति भी जरूरी हैं। दुनिया की खुशहाल देशों की सूची में भारत इस वर्ष 143 देशों में 126वें स्थान पर है। यह रैंक पिछले साल के मुकाबले बिल्कुल वही रही है। भारत के पड़ोसी देशों में चीन 60वें, नेपाल 93वें, पाकिस्तान 108वें, म्यांमार 118वें, श्रीलंका 128वें और बांग्लादेश 129वें स्थान पर है।*

*शोधों के निष्कर्ष बताते हैं कि जलवायु परिवर्तन एवं अत्यधिक गर्मी के कारण 2100 तक भारत में हर साल 15 लाख लोगों की मौत हो सकती है? इसी कारण उदास लोगों की संख्या भी बढ़ सकती है। 2018 की एक रिपोर्ट कहती है कि भारत सबसे अधिक अवसादग्रस्त देशों की सूची में सबसे ऊपर है। भले ही भारतीयों को स्वभाव से समायोजित और संतुष्ट लोगों के रूप में जाना जाता है, लेकिन यह पता चला है कि वे सबसे अधिक उदास भी हैं। सरकार जागरूकता कार्यक्रम चला रही है लेकिन मनोवैज्ञानिकों और मनोचिकित्सकों के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य डॉक्टरों की भी कमी है। भारत के मानव-स्वभाव में उग्र हो रही उदासी एवं निराशा का बड़ा कारण प्रदूषित हवा एवं पर्यावरण है। शुद्ध वायु में ही जीवन है और उसी में जीवन की सकारात्मकता एवं जीवन-ऊर्जा समाहित है। बाजार की शक्तियां कई तरह के भ्रम फैलाती हैं। पारिवारिक जीवन अनेक दबावों से घिरा है, कॉरपोरेट संस्कृति में रिश्ते, स्वास्थ्य एवं खुशहाली बहुत पीछे छूट रही है। इसी वजह से शरीर कोभुगतना पड़ रहा है। आदमी पैदल नहीं चल रहा है। स्वस्थ रहने के लिये जरूरी है हम आहार सही ढंग से लें। दरअसल हमारा आहार दवा है। देर रात भोजन करना, देर रात तक जगना एवं सुबह देर से उठना शरीर के साथ अत्याचार करने जैसा है। इन्हीं जटिल से जटिलतर होती स्थितियों ने हमें उदासी दी है। फिर भी, ऐसी सूचियों से सकारात्मक प्रेरणा लेते हुए प्रसन्न, उत्साही, सक्रिय समाज की संरचना के लिये तमाम तरह के प्रयास करने में ही भलाई है।*

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

# आदिवासियों-महिलाओं ने लगायी नैया पार

चेतनादित्य आलोक

झारखंड विधानसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन की ओर से सबसे ज्यादा जेएमएम ने कुल 34 सीटें जीती। वहीं, कांग्रेस ने 16, राजद ने 4 और सीपीआई (एमएलएल) ने 2 सीटें जीती। यानी कुल मिलाकर इंडिया गठबंधन ने राज्य की कुल 81 में से 56 सीटें प्राप्त कर अपनी सरकार बचा ली है। दूसरी ओर एनडीए गठबंधन से भाजपा ने 21, आजसू, जेडीयू और लोजपा रामविलास ने एक-एक सीटें जीतीं। झारखंड में भारतीय जनता पार्टी के भीतर कुछ नए और पुराने नेताओं को लेकर लंबे समय से असमंजस की स्थिति बनी हुई है कि किसे नेतृत्व सौंपा जाए। नए, तेज-तर्रार और युवा नेता को अथवा पुराने, स्थापित और मंझे हुए नेता को। ऐसा बताया जाता है कि पार्टी के भीतर मतभेद-मनभेद रहने के कारण इस बात पर एक राय नहीं बन पाई कि झारखंड विधानसभा चुनाव से पहले उसकी ओर से किस नेता को मुख्यमंत्री के तौर पर प्रस्तुत किया जाए।

यही कारण है कि बड़ी संख्या में राज्य की गैर-आदिवासी जनता ने भी साथ नहीं दिया, जबकि भाजपा ने राज्य में चुनाव प्रचार में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह से लेकर तमाम स्टार प्रचारकों ने कमान संभाल रखी थी। यहां तक कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा राज्य में दो महीने तक जमे रहे, जिन्होंने बांग्लादेश से 'घुसपैठियों' को आने देने के लिए सोरेन सरकार पर जोरदार हमले किए। गौरतलब है कि भाजपा ने अपनी रैलियों में झारखंड को 'माटी, बेटी और रोटी' का मुद्दा उठाया। इस मामले में भाजपा के नेताओं ने हेमंत सोरेन की सरकार पर आरोप लगाए कि राज्य में 'माटी, बेटी और रोटी' खतरे में हैं। इन सबके बीच झारखंड में भावी मुख्यमंत्री के तौर पर भाजपा के भीतर ऐसे प्रभावशाली चेहरे का अभाव रहा, जो जनता को प्रभावित कर अपनी ओर आकर्षित कर सके। जिस प्रकार उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पार्टी को विजयी बनाने की पूरी जिम्मेदारी अपने कंधों पर ले रखी है और चुनाव-दर-चुनाव सफलता की सीढ़ियां चढ़ते चले जा रहे हैं।

जिस प्रकार हरियाणा में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पार्टी के लिए एक जिम्मेदार चेहरा हैं, वैसे ही चुनाव से पहले झारखंड में भी पार्टी को एक जिम्मेदार चेहरा नहीं मिला। दूसरी ओर विपक्ष की ओर से पहले ही दिन से यह बिल्कुल साफ कर दिया गया था कि



यदि इंडिया गठबंधन ने चुनाव जीता तो उनकी ओर से मुख्यमंत्री का चेहरा हेमंत सोरेन ही होंगे। हालांकि, भाजपा के भीतर कई नेता हैं जो हेमंत सोरेन को कड़ी टक्कर देने में सक्षम हैं। यहां तक कि कुछ नेता तो उनसे बेहतर परफॉर्मेंस करने की क्षमता और कौशल भी रखते हैं, लेकिन पार्टी की ओर से उन्हें आगे नहीं करने के कारण मतदाताओं के बीच इस बात को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई थी कि एनडीए का नेतृत्व कौन करेगा। इसके अलावा बीजेपी ने झारखंड में चुनावों से पहले 'लव जिहाद' तथा 'लैंड जिहाद' का मुद्दा अत्यंत जोर-शोर से उठाया था। गौरतलब है कि भाजपा की ओर से की गई ध्रुवीकरण की कोशिश के बीच हेमंत सोरेन बिल्कुल शांत और उकसाने वाले बयानों से बचते दिखे। यह निश्चित रूप से हेमंत सोरेन की राजनीतिक परिपक्वता को दर्शाता है। हालांकि, उनकी ही पार्टी के कुछ नेता और इंडिया गठबंधन के अन्य घटक दलों के कई नेता कई मौके पर लगातार सांप्रदायिक बयानबाजी करते अवश्य देखे और सुने गए। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 31 जनवरी को 8.36 एकड़ जमीन के अवैध कब्जे से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले की जांच के सिलसिले में जब झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को गिरफ्तार किया, तब ऐसा लगा था कि झामुमो अगले चुनावों में भ्रष्टाचार के मुद्दे पर पिछड़ जाएगी। हालांकि, ऐसा हुआ नहीं। भाजपा ने भले ही इसे मुद्दा बनाकर झामुमो नेता के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप लगाए, किंतु यह हमला उन पर ही भारी पड़ गया। तात्पर्य यह कि भाजपा की रणनीति उलटी पड़ गई। दरअसल, जेल में रहने के दौरान हेमंत सोरेन ने पत्नी कल्पना सोरेन को पीड़ित (विक्टिम) कार्ड खेलने के लिए प्रेरित किया, जिसके पश्चात कल्पना राज्य की आदिवासी जनता के बीच जाकर उनसे अपने पति के विरुद्ध भाजपा शासन द्वारा साजिशें किए जाने की बात बताती रहीं।

दूसरी ओर भाजपा इस भ्रम में रही कि उसकी रणनीति राज्य के विधानसभा चुनाव में सफल हो जाएगी। ऊपर से महत्वपूर्ण चुनावों से पहले हेमंत सोरेन को जेल से बेल पर छोड़ा जाना भाजपा की सेहत के लिए और घातक हो गया। बता दें कि चुनाव के दौरान हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी ने जम कर पीड़ित कार्ड खेला। यही कारण है कि राज्य के आदिवासी क्षेत्रों में इस बार मतदान प्रतिशत रिकॉर्ड स्तर पर रहा। बता दें कि राज्य की 26 आरक्षित सीटों में से 21 सीटों पर जेएमएम के प्रत्याशी विजयी हुए।

---

क्षमा शर्मा

# अब सत्ता की चाबी लाड़ली बहनों के हाथ

टीवी चैनल पर महाराष्ट्र की एक महिला ने कहा कि सरकार की योजना से उसे जो पैसे मिले, उससे वह पहली बार साड़ी खरीद सकी। यह कितने अफसोस की बात है कि जब शादियों में दिखावे के रूप में पांच हजार करोड़ तक खर्च किए जा रहे हों, तब उसी प्रदेश में एक स्त्री इस बात के लिए धन्यवाद दे कि वह जीवन में पहली बार साड़ी खरीद सकी। जब पिछले दिनों मध्य प्रदेश के चुनाव में वहां के भूतपूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भारी बहुमत प्राप्त किया था, तो उन्होंने कहा था कि लाड़ली बहनों ने उन्हें जीत दिलाई है। सारा श्रेय उन्हीं को दिया जाना चाहिए। कल किसी ने जब कहा कि भारतीय जनता पार्टी रेवड़ियों का विरोध करती है और उसने महिलाओं को खूब रेवड़ियां बांटीं तो एक अन्य दल की महिला नेत्री ने कहा कि इसे रेवड़ी नहीं, वुमेन एम्पावरमेंट कहते हैं। और महाराष्ट्र कोई गरीब राज्य नहीं कि सरकार जरूरतमंद स्त्रियों की मदद नहीं कर सकती।

स्त्री सशक्तीकरण में स्त्रियों के हाथ में पैसे हों, उनकी क्रय शक्ति बढ़े, वे अपनी जरूरतें पूरी कर सकें, इसकी बड़ी भूमिका मानी जाती है। इसके अलावा स्त्री विमर्श कहता है कि स्त्रियों के नाम अक्सर चल-अचल सम्पत्ति नहीं होती। इसलिए वे हमेशा अपने परिवार के पुरुषों के भरोसे रहती हैं। लेकिन पिछले कुछ सालों में केंद्र सरकार ने स्त्रियों के नाम से ही पक्के घर दिए हैं। उन्हीं के नाम अगर जमीन की रजिस्ट्री हो तो स्टाम्प ड्यूटी में दो प्रतिशत की छूट मिलती है। इससे पहली बार भारत में स्त्रियों के अपने घर हो सके हैं। अक्सर स्त्रियों को हिंसा झेलते हुए, सबसे पहले घर से निकाला जाता है। अब जब घर उनके ही नाम पर है, जमीन उनकी है, तो किसकी हिम्मत है कि उन्हें घर से निकाल सके। महाराष्ट्र में इस बार पंद्रह चुनाव क्षेत्रों में महिलाओं ने पुरुषों से भी अधिक वोट दिए। 65.22 प्रतिशत महिलाओं ने वोट दिया। कुछ स्थानों पर रजिस्टर्ड महिला मतदाताओं की संख्या भी पुरुषों से ज्यादा थी। कुल 30.64 मिलियन वोटर्स में कुल महिला वोटर्स की संख्या 46.99 है।

महिला मतदाताओं के बड़ी संख्या में बाहर आने के बारे में बताया जा रहा है कि इसका बड़ा कारण लाड़की (लड़की) बहणी योजना को है। जिसमें महिलाओं को पंद्रह सौ रुपये प्रतिमाह दिए गए और सरकार बनने पर इक्कीस सौ रुपये देने का वादा किया गया। चुनाव में जीत के बाद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री शिंदे ने भी लाड़ली बहनों का धन्यवाद किया। महाराष्ट्र में स्त्रियों की शिक्षा के लिए आर्थिक मदद का भी प्रावधान किया गया था। इसी तरह झारखंड में भी हेमंत सोरेन सरकार की वापसी का श्रेय, उनकी स्त्री सम्बंधी योजनाओं को दिया जा रहा है। जिसमें प्रमुख थीं— स्कूल जाने वाली लड़कियों को साइकिल मुफ्त देना, एकल मां को आर्थिक सहायता प्रदान करना, बेरोजगार स्त्रियों को मासिक भत्ता, मइया योजना के अंतर्गत गरीब स्त्रियों को साल में बारह हजार रुपये की मदद। इससे गरीब परिवारों और स्त्रियों के जीवन में कुछ खुशहाली आई। आदिवासी इलाकों में इसे विशेष रूप से महसूस किया गया। चूंकि स्त्रियों के खाते में पैसे सीधे भेजे जाते हैं, इसलिए उसका लाभ भी सीधे उन्हें ही मिलता है। इससे उनका परिवार भी लाभान्वित होता है। ऐसी योजनाएं अकेली बेसहारा माताओं, विधवाओं, स्कूल जाती लड़कियों को विशेष लाभ पहुंचाती हैं।

याद होगा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने यहां की स्कूल जाने वाली लड़कियों को साइकिलें दी थीं। सिर्फ एक साइकिल की सहायता से स्कूल जाने वाली लड़कियों में भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई थी। चूंकि वे समूह में स्कूल जाती थीं, इसलिए उनकी सुरक्षा को लेकर भी माता-पिता की चिंता में कमी आई थी और स्कूल जाने वाली लड़कियों की संख्या में भारी बढ़ोतरी हुई थी। उनका ड्रॉप आउट रेट भी कम हुआ था। और परिणामस्वरूप इन लड़कियों के माता-पिता ने अगली बार नीतीश कुमार को बहुमत से विजयी बनाया था। झारखंड में हेमंत सोरेन ने नीतीश कुमार से सीखा और महाराष्ट्र में शिवराज सिंह चौहान से सीखा गया। हेमंत की जीत में उनकी पत्नी कल्पना सोरेन की भी बड़ी भूमिका है। हेमंत सोरेन को जब जेल भेजा गया, तो उनकी पत्नी कल्पना ने मोर्चा संभाला। उन्हें स्त्रियों की खूब सहानुभूति भी मिली। इसके अलावा केंद्र सरकार ने भी स्त्रियों के लिए कई योजनाएं चला रखी हैं। जैसे कि नमो ड्रोन दीदी स्कीम-इसमें ग्रामीण महिलाओं को कृषि कार्यों के लिए ड्रोन पायलट्स की ट्रेनिंग दी जाती है।

जिससे कि वे आधुनिक तकनीकों से खेती कर सकें। इसके लिए उन्हें आर्थिक मदद भी दी जाती है। उड़ीसा में चलाई जा रही सुभद्रा योजना। जिसके अंतर्गत पांच सालों में गरीब महिलाओं को पचास हजार रुपये रक्षाबंधन और अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर दिए जाते हैं। महिला सम्मान पेंशन योजना-जिसमें विधवाओं और बूढ़ी महिलाओं को मदद दी जाती है। जिससे कि वे सम्मानपूर्वक जीवनयापन कर सकें। अल्पसंख्यक महिलाओं को बिना किसी ब्याज के पचास हजार रुपये की मदद दी जाती है। इसमें से बस पच्चीस हजार रुपये उन्हें वापस देने पड़ते हैं। इसका लाभ तलाकशुदा और अठारह साल से पचपन साल की अविवाहित महिलाएं उठा सकती हैं। इसी प्रकार दिल्ली, बिहार, राजस्थान, कर्नाटक में भी महिलाओं को लाभ पहुंचाने वाली बहुत-सी योजनाएं हैं। देखने की बात यह है कि औरतों को लाभ पहुंचाने वाली योजनाएं, नेताओं को विधानसभाओं और लोकसभा में पहुंचा रही हैं।

## सेतुबंधासन

सेतुबंधासन योग शारीरिक निष्क्रियता की समस्या को दूर करता है और मांसपेशियों व हड्डियों को स्वस्थ रखने और रक्त का संचार बढ़ाने में काफी कारगर अभ्यास माना जाता है। इस योग का नियमित अभ्यास शारीरिक और मानसिक दोनों तरह की सेहत को ठीक रखने में विशेष लाभप्रद हो सकता है। सेंडेंटरी लाइफस्टाइल के शिकार लोगों को दिनचर्या में इस योग को जरूर शामिल करना चाहिए। इसके लिए कमर के बल लेटकर दोनों पैरों को मोड़ लें, पैरों में थोड़ा-सा अंतर रहेगा। हाथों से पैरों के टखने पकड़ लें, यदि टखने पकड़ने में असुविधा हो तो हाथों को जंघाओं के पास जमीन पर रख लें। सांस भरकर, सांस निकाल दें और पेट को अंदर की ओर दबाएं। सिर, कंधे जमीन पर रखते हुए पैरों पर भार डालकर कमर को ऊपर उठा लें। यहां ठुड्डी, छाती से लग जाएगी। सामान्य सांस के साथ यथाशक्ति रुके रहें। फिर सांस छोड़ते हुए वापस आ जाएं। इस प्रकार चार से पांच बार इसका अभ्यास कर लें। हर्निया, अल्सर व गर्दन दर्द में इसका अभ्यास न करें। बोलचाल में अनावश्यक शब्दों का प्रयोग ना करें। शब्द संभाल कर और प्रेमपूर्वक होने चाहिए। किसी को कष्ट पहुंचाने वाले शब्द ना हों। नए-नए शब्दों का प्रयोग बोलचाल में कीजिए, जिससे आपकी भाषा मजबूत होगी।

# दिल को मजबूत करेंगे ये योगासन

हृदय एक ऐसा अंग है जो लगातार ब्लड को पंप कर के ऑक्सीजन की आपूर्ति करता है। यह अगर अपने नियमित कार्य को सही से नहीं कर पाता है तो इससे कई तरह के रोग उत्पन्न होते हैं । यहां स्वास्थ्य की स्थिति मुख्य रूप से रक्त वाहिकाओं और संचार प्रणाली से संबंधित होती है। भारत समेत दुनियाभर में हृदय रोग की समस्या बहुत तेजी से बढ़ रही है। कोविड काल के बाद हृदय रोग का जोखिम भारतीयों में काफी बढ़ा है। उच्च रक्तचाप, हाई कोलेस्ट्रॉल, धूम्रपान, मोटापा और अस्वस्थ जीवनशैली के कारण हृदयाघात और स्ट्रोक समेत हृदय संबंधी कई समस्याएं हो सकती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक , हृदय रोग भारत में मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक है। हृदय रोग से बचाव के लिए स्वस्थ जीवनशैली, पौष्टिक खानपान के साथ ही योग और व्यायाम करना अच्छा हो सकता है। जिनके नियमित अभ्यास से हृदय स्वास्थ्य में सुधार होता है और कोलेस्ट्रॉल और रक्तचाप नियंत्रित रहता है।

## वृक्षासन

वृक्षासन संस्कृत भाषा का शब्द है। इसका शाब्दिक अर्थ होता है, वृक्ष यानी कि पेड़ जैसा आसन। इस आसन में योगी का शरीर पेड़ की स्थिति बनाता है और वैसी ही गंभीरता और विशालता को खुद में समाने की कोशिश करता है। वृक्षासन से तनाव कम होता है, मस्तिष्क शांत रहता है और हृदय रोग की समस्या से बचाव होता है। इस आसन को करने के लिए बाएं पैर को सीधा रखते हुए संतुलन बनाए रखें। गहरी सांस लेते हुए हाथों को सिर के ऊपर ले जाएं और नमस्कार की मुद्रा बनाएं। रीढ़ की हड्डी को सीधा रखते हुए बाएं तलवे को दाहिनी जांघ पर रखें। इसी प्रक्रिया को दोहराएं।

**हाई कोलेस्ट्रॉल और उच्च रक्तचाप की नहीं होगी समस्या**

## त्रिकोणासन

त्रिकोणासन योग विज्ञान का महत्वपूर्ण आसन है। त्रिकोणासन संस्कृत भाषा से लिया गया शब्द है। इसका हिंदी में अर्थ है, तीन कोण वाला आसन। इस आसन को करने के दौरान शरीर की मसल्स तीन अलग कोणों में स्ट्रेच हो जाती हैं। इसी वजह से इस आसन को त्रिकोणासन कहा जाता है। त्रिकोणासन बिगिनर लेवल का बेहद आसान आसन है। इस आसन को विन्यास शैली का आसन माना जाता है। इसे करने की अवधि 30 सेकेंड बताई गई है। इस आसन के अभ्यास से फेफड़े मजबूत होते है। पाचन क्रिया को दुरुस्त करता है और मांसपेशियों को मजबूत बनाता है। हृदय रोग की समस्या से निजात पाने के लिए त्रिकोणासन का अभ्यास कर सकते हैं। इस आसन को करने के लिए सीधे खड़े होकर पैरों के बीच करीब दो फीट की दूरी रखें। गहरी सांस लेते हुए शरीर को दाईं ओर झुकाएं और बाएं हाथ को ऊपर की तरफ ले जाएं। नजरें भी बाएं हाथ की उंगलियों पर टिकाकर कुछ देर इसी स्थिति में रहें। पुरानी अवस्था में दोबारा आ जाएं।

## वीरभद्रासन

योग विशेषज्ञों के मुताबिक किसी भी योगासन से अधिकतम लाभ प्राप्त करने के लिए उसका सही तरीके से अभ्यास किया जाना आवश्यक माना जाता है। वीरभद्रासन योग की कई मुद्राएं हैं, ऐसे में किसी विशेषज्ञ से बेहतर प्रशिक्षण के बाद ही इस अभ्यास की शुरुआत करें। इस योग के लिए सबसे पहले सीधी मुद्रा में खड़े हो जाएं। अब अपनी बाहों को फर्श के समानांतर उठाते हुए सिर को बाईं ओर मोड़ें। बाएं पैर को भी 90 डिग्री बाईं ओर मोड़ें। कुछ देर तक इस अवस्था में बने रहें। इसी तरह से दूसरी तरफ का भी अभ्यास करें। इस योग को करने से दिल के मरीजों को काफी राहत मिलती है।

**हृदय रोग की समस्या से निजात पाने के लिए त्रिकोणासन का अभ्यास कर सकते हैं।**

और समस्या दूर होती है।

## हंसना मना है

मरीज-मैं रोज 50 रुपये की दवाई ले रहा हूं, पर कोई फायदा नहीं हो रहा! डॉक्टर- अब तुम 40 रुपये वाली दवाई ले जाओ, इससे तुम्हे रोज 10 रुपये का फायदा होगा!

टीचर- टिल्लू तुम बताओ, बड़े होकर क्या बनोगे? टिल्लू, शरमाते हुए- दूल्हा, टीचर- अरे मेरा मतलब है, बड़े होकर क्या पाना चाहते हो? टिल्लू, शरमाते हुए- दुल्हन, टीचर- उफ्फोह, मुझे बताओ, बड़े होकर ऐसा क्या करोगे जो तुमने अभी तक नहीं किया? टिल्लू- जी शादी!

टीचर- घर की परिभाषा बताओ, टीटू- जो घर हौसले से बनाये जाते हैं उसे हाऊस कहते हैं, जिन घरों में होम-हवन होते हैं उन्हें होम कहते हैं, जिन घरों में हवा ज्यादा चलती है उन्हें हवेली कहते हैं, जिन घरों में दीवारों के भी कान होते हैं उन्हें मकान कहते हैं, जिन घरों के लोन के इंस्टॉलमेंट भरते-भरते आदमी लेट जाता है उन्हें फ्लैट कहते हैं, और जिन घरों में यह भी न पता हो कि बगल के घर में कौन रहता है उन्हें बंगला कहते हैं। टीटू को student of the year चुना गया।

संजू अपनी गर्लफ्रेंड के पिता से मिलने गया, लड़की का पिता- मैं नहीं चाहता कि मेरी बेटी, अपनी पूरी जिंदगी एक मूर्ख इंसान के साथ गुजारे, संजू- बस अंकल, इसीलिए तो मैं उसे यहां से ले जाने आया हूं, दे जूते दे चप्पल?

## कहानी | मूर्ख कौआ और चालाक लोमड़ी

एक बार की बात है स्वामी विवेकानंद मंदिर में दर्शन करने के बाद प्रसाद लेकर बाहर निकले। कुछ देर आगे चलने के बाद स्वामी के घर के रास्ते में उन्हें कुछ बंदरों ने घेर लिया। स्वामी थोड़ा आगे बढ़ते और वो बंदर उन्हें काटने को आते। काफी देर तक स्वामी विवेकानंद ने आगे जाने की कोशिश की, लेकिन वो ऐसा कर न पाए। आखिर में स्वामी विवेकानंद वहां से वापस मंदिर की ओर लौटने लगे। उनके हाथ से प्रसाद की थैली को छीनने के लिए बंदरों की टोली भी उनके पीछे भागने लगी। स्वामी डर गए और वो भी डर के मारे दौड़ने लगे। दूर से मंदिर के पास बैठा एक बूढ़ा सन्यासी सब कुछ देख रहा था। उसने स्वामी को भागने से रोका और कहा, बंदरों से डरने की जरूरत नहीं है। तुम इस डर का सामना करो और फिर देखो क्या होता है। स्वामी विवेकानंद संन्यासी की बात सुनकर वहां ठहरे और बंदरों की तरफ मुड़ गए। अपनी तरफ तेजी से बंदरों का आता देखकर स्वामी भी उनकी तरफ उतनी ही तेजी से बढ़ने लगे। बंदरों ने जैसे ही स्वामी विवेकानंद को अपनी तरफ आता देखा, तो वो डरकर भागने लग गए। अब बंदर आगे-आगे भाग रहे थे और स्वामी जी बंदरों के पीछे-पीछे। कुछ ही देर में सभी बंदर उनके रास्ते से हट गए। इस तरह स्वामी विवेकानंद ने अपने डर पर जीत हासिल की। फिर वो लौटकर उसी संन्यासी के पास गए और उनको इतनी बड़ी बात सिखाने के लिए धन्यवाद कहा।

**कहानी से सीख**- कहते हैं कि हर किसी की जिंदगी में ऐसा पल जरूर आता है जब उसे किसी-न-किसी वजह से डर लगने लगता है। खास कर कोई भी चीज डर का कारण तब तक बनी रहती है, जब तक हम उससे डरते हैं। इसी वजह से डर से डरने की जगह उसका सामना करना चाहिए। ऐसा करने से डर भाग जाता है।

## 7 अंतर खोजें

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष**

नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। परीक्षा आदि में सफलता मिलेगी। पारिवारिक कष्ट एवं समस्याओं का अंत संभव है।

**वृषभ**

आज शत्रु अधिक सक्रिय रहेंगे। कुसंगति से हानि होगी। व्ययवृद्धि होगी। लेन-देन में सावधानी रखें, जोखिम न लें। किसी शुभचिंतक से मेल-मुलाकात का हर्ष होगा।

**मिथुन**

यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। डूबी हुई रकम प्राप्त होगी। आय में वृद्धि होगी। प्रमाद न करें। आकस्मिक लाभ व निकटजनों की प्रगति से मन में प्रसन्नाता रहेगी।

**कर्क**

कार्यस्थल पर परिवर्तन लाभ में वृद्धि करेगा। योजना फलीभूत होगी। नए अनुबंध होंगे। कष्ट होगा। पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ने से व्यस्तता बढ़ेगी। कार्य में नवीनता के भी योग हैं।

**सिंह**

कानूनी अड़चन दूर होगी। अध्यात्म में रुचि रहेगी। यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। रुके धन के लिए प्रयत्न जरूर करें। कार्य का विस्तार होगा।

**कन्या**

चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें, बाकी सामान्य रहेगा। प्रयास अधिक करने पर भी उचित सफलता मिलने में संदेह है।

**तुला**

जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा। राजकीय कार्य की बाधा दूर होगी। माता को बेचैनी रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। अर्थ प्राप्ति के योग बनेंगे। सरकारी मसले सुलझेंगे।

**वृश्चिक**

बेरोजगारी दूर होगी। विवाद न करें। संपत्ति की खरीद-फरोख्त हो सकती है। आय बढ़ेगी। मन में उत्साहपूर्ण विचारों के कारण समय सुखद व्यतीत होगा।

**धनु**

रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी बड़े कार्यक्रम का हिस्सा बनेंगे। प्रसन्नता बनी रहेगी। नए कार्यों से जुड़ने का योग बनेगा। पूजा-पाठ में मन लगेगा।

**मकर**

आज बुरी खबर मिल सकती है। किसी भी तरह के विवाद को बढ़ावा न दें। भागदौड़ बनी रहेगी। पत्नी के आय में कमी होगी। अपने काम से काम रखें।

**कुम्भ**

मेहनत का फल पूरा-पूरा मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। दूर रहने वाले व्यक्तियों से संपर्क के कारण लाभ हो सकता है।

**मीन**

मेहमानों का आवागमन होगा। व्यय होगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। अपने प्रयासों से उन्नति पथ प्रशस्त करेंगे। व्यापार अच्छा चलेगा।

# मो. सिराज से नैना लड़ा रही हैं माहिरा

माहिरा शर्मा ने बिग बॉस 13 में खूब सुर्खियां बटोरी थीं। इस दौरान एक्ट्रेस की को-कंटेस्टेंट रहे पारस छाबड़ा से गहरी दोस्ती हो गई थी। शो से बाहर आने के बाद दोनों की लव स्टोरी शुरू हुई थी लेकिन हाल ही में ये जोड़ी अलग हो गई है। वहीं अब लग रहा है कि माहिरा की लाइफ में फिर से प्यार ने दस्तक दे दी है। एक्ट्रेस का एक इंडियन क्रिकेटर से नाम जुड़ रहा है। बिग बॉस 13 से पॉपुलर हुईं माहिरा शर्मा काफी समय से पर्दे से तो दूर हैं लेकिन एक्ट्रेस अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर हमेशा सुर्खियों में बनी रहती हैं। कुछ महीने पहले माहिरा शर्मा पारस छाबड़ा संग अपने ब्रेकअप को लेकर लाइमलाइट में बनी हुई थी। बिग बॉस 13 में बनी ये जोड़ी शो से बाहर आने के बाद चार साल तक लिवइन में रही थी लेकिन फिर कम्पैटिबिलिटी इश्यूज के चलते दोनों ने एक दूसरे से अलग हो जाना ही बेहतर समझा। वहीं माहिरा शर्मा एक बार फिर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं दरअसल रूमर्स फैले हुए हैं कि एक्ट्रेस गुपचुप इंडियन क्रिकेटर मोहम्मद सिराज को डेट कर रही हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

# आज के गाने असभ्यता की सीमा लांघ चुके हैं : इला अरुण

बॉलीवुड को चोली के पीछे क्या है और गुप चुप जैसे सुपरहिट गाने देने वाली सिंगर ईला अरुण को हर कोई जानता है। उनके गाने के तरीके और अंदाज ने हर किसी को उनका दीवाना बनाया है। उनके गानों में कुछ अलग ही बात होती है जो सभी को नाचने पर मजबूर कर देती है। हाल ही में उनके गाने चोली के पीछे क्या है को भी नए तरीके से बनाकर फिल्म क्रू में रिलीज किया गया था। लोग उनके गानों को असभ्य भी बताते हैं, इस पर ईला अरुण ने अपने सुपरहिट गानों के मैसेज को लेकर बातचीत की। उन्होंने कहा, आज के समय के जो गाने हैं, वो असभ्यता की सीमा को लांघ चुके हैं। असभ्य और छेड़छाड़ गानों में फर्क होता है। चोली के पीछे, गुप चुप जैसे गाने असभ्य नहीं हैं, ये सभी मस्ती के लिए बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि गाने असभ्य नहीं होते, बल्कि छेड़छाड़ वाले होते हैं। इस बातचीत में म्यूजिक डायरेक्टर राजेश रोशन के साथ काम करने के बारे में भी बताया और फिल्म करण-अर्जुन के री-रिलीज पर भी खुशी जताई। ईला अरुण ने अपने गानों चोली के पीछे क्या है और गुप चुप में असभ्य और छेड़छाड़ के बीच का फर्क समझाते हुए कहा, लोगों ने मेरे गाने चोली के पीछे को भी नीचा दिखाने की कोशिश की। लेकिन वो कोई खराब गाना नहीं था। ये एक आम छेड़छाड़ वाली भाषा है। आती क्या खंडाला, चोली के पीछे ये सभी गाने मस्ती के लिए हैं। जो लोग गांव में नहीं रहे या जो बड़े घरों में पैदा हुए हैं उन्हें ये सब चीजें समझ नहीं आएंगी। ईला अरुण ने आगे कहा, उन दिनों हर जगह टीवी नहीं हुआ करते थे, तो सभी के पास अपने गाने होते थे और वो उसे होली या शादियों में गाया करते थे। ये सभी गाने अधिकतर घर में हो रहे फंक्शन में जहां घर की भाभियां एक दूसरे को छेड़ रही होती थीं या जीजा-साली में एक मस्ती भरा खेल हुआ करता था।

# योगा करके अपना टेंशन दूर करते हैं दिलजीत

बॉलीवुड | गपशप

दिलजीत दोसांझ पंजाबी और हिंदी फिल्मों में बतौर गायक और अभिनेता लंबे समय से सक्रिय हैं। साथ ही वह अपने लाइव म्यूजिक शो या कॉन्सर्ट भी समय-समय पर करते हैं। इन दिनों देश भर में वह अपने म्यूजिक कॉन्सर्ट दिल लुमिनाती को लेकर खबरों में हैं। हजारों की संख्या में लोग उनके कॉन्सर्ट में आ रहे हैं। हाल ही में वह पुणे में अपना शो कर रहे थे। यहां पर दर्शकों का मनोरंजन करने के साथ ही उन्होंने अपनी जिंदगी में आने वाली परेशानियों का जिक्र भी उनसे किया। इन सभी बातों का एक वीडियो दिलजीत दोसांझ ने अपने इंस्टाग्राम की स्टोरी भी लगाया है।

इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो में दिलजीत कहते हैं, 'मैं बता नहीं सकता हूं कि हर दिन कितने तनाव और परेशानियों का सामना करता हूं। जितना बड़ा काम होता है उतनी बड़ी टेंशन होती है।'आगे वीडियो में दिलजीत कहते हैं कि आप कहीं भी काम करते हों। टेंशन आपको आएगी ही। ऐसे में आप योग कीजिए। योग करने से आपका तनाव कम होगा। दिलजीत पहले भी कई बार योग की अहमियत और फायदे पर बात कर चुके हैं। एक बार फिर उन्होंने अपने कॉन्सर्ट स्टेज से इस बारे में बात की और लोगों को इसके फायदे बताए। दिलजीत ने कहा कि उन्हें हर दिन परेशानियों का सामना करना पड़ता है। पिछले दिनों भी वह काफी परेशान रहे।

दरअसल, तेलंगाना सरकार ने उन्हें नोटिस दिया था, जिसमें कहा गया कि उनके राज्य में शराब, हिंसा और ड्रग्स को प्रमोट करने वाले गाने न गाएं। उनके कई गानों पर बैन लगा दिया गया।

# यहां पत्थर से निकलती है मेटल की आवाज, अब भी बना हुआ है रहस्य

बिहार के औरंगाबाद जिले में एक ऐसा पहाड़ है, जिसकी ध्वनि सुनने के लिए प्रदेश भर से हजारों लोग यहां आते हैं। जी हां, जिले के पवई गांव में पहाड़ी श्रृंखलाओं से घिरे यह झुनझुनवां पहाड़ बोलता है। इसकी आवाज आने वाले आगंतुक पर्यटकों को आकर्षित करती है। बता दें कि पहाड़ी श्रृंखलाओं के बीच बसा ये गांव अपनी मनोरम खूबसूरती के लिए जाना जाता है। ऐसे में इस पहाड़ के निचले सतह पर स्थित ये पत्थर का एक बड़ा सा टुकड़ा इस क्षेत्र की ख्याति प्रदेशभर में बनाए हुए है। गांव के ग्रामीण शंकर यादव ने बताया कि इस टुकड़े पर पत्थर से प्रहार करने से मेटल की आवाज आती है। मानो इस पत्थर के भीतर कोई कीमती धातु छिपी हुई है। इस मेटल की आवाज से ही यहां के लोगों ने इसे झुनझुनवा पहाड़ नाम दे दिया। ग्रामीण बताते हैं कि सैकड़ों साल से स्थित इस पत्थर की खासियत के बारे में जब लोगों को पता चला तो कुछ लोगों ने लालच में आकर इस पत्थर के टुकड़े कर चोरी करने का प्रयास भी किया। जिसके बाद ग्रामीणों ने उन्हें पकड़ लिया और तब से इस गांव के लोगों के संरक्षण में ही ये पत्थर है। इस बड़े पत्थर से ध्वनि कैसे निकलती है, यह एक रहस्य है और इसी वजह को जानने कि कोशिश कई दशकों से की जा रही है। वहीं अभी तक पुरातत्ववेताओं, वैज्ञानिकों ने ये पता नहीं लगाया कि इसमें से मेटल की आवाज कैसे आती है। बता दें कि औरंगाबाद जिले का यह स्थान बड़ा पिकनिक स्पॉट है। नव वर्ष के अवसर पर हजारों लोग प्रदेश के कोने-कोने से यहां पिकनिक मनाने के लिए आते हैं। वहीं इसकी मनोरम दृश्य को निहारते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि पर्यटकों के आने से यहां पर व्यापार भी बढ़ता है।

अजब-गजब | इस मर्डर की रही अजीबो-गरीब कहानी

# इस हसीना के मर्डर के लिए 500 लोगों ने ली थी जिम्मेदारी, फिर भी पुलिस रही खाली हाथ

हर दिन दुनिया में हजारों लोगों को मौत के घाट उतार दिया जाता है। कई ऐसे मामलों में अपराधी पुलिस की पकड़ में आ जाता है, लेकिन कुछ ऐसी घटनाएं होती हैं जिसमें पुलिस कई सालों तक अपराधी तक पहुंच नहीं पाती है। ऐसे भी कई मामले होते हैं, जो अनसुलझे रह जाते हैं। इसके बाद उन केसों की फाइलों को बंद कर दिया जाता है। अगर आपको बताएं कि किसी हत्या के मामले में पुलिस के सामने 500 से अधिक लोग आकर जुर्म अपने सिर पर लेते हैं, लेकिन पुलिस इस हत्या के असली अपराधी को आज तक सजा नहीं दिलवा पाई है। 77 साल पहले अमेरिका के लॉस एंजेलिस में एक महिला को निर्मम तरीके से मौत के घाट उतार दिया गया था। उस महिला की लाश को दो टुकड़ो में काट डाला गया था।

उस घटना के 77 साल बाद भी पुलिस आज तक असली अपराधी को सजा नहीं दिला पाई है। पुलिस यह तक पता लगाने में सफल नहीं हो पाई कि आखिर उस महिला की हत्या किसने की और उसने यह क्यों किया? साल

1947 में लॉस एंजेलिस में एलिजाबेथ शॉर्ट जिनका उपनाम ब्लैक डाहलिया का जन्म 29 जुलाई, 1924 को बोस्टन, मैसाचुसेट्स में हुआ था। शॉर्ट कम उम्र से ही सिनेमा के प्रति दीवानी थीं। वह किशोरावस्था तक वो अभिनेत्री बनने का सपना देखने लगी। साल 1940 तक आते आते एलिजाबेथ कैलिफोर्निया के लॉस एंजिल्स में आकर रहने लगीं और हॉलीवुड में अभिनय के लिए एक चांस का इतजार करने लगीं और अपने सपनों को पंख देने के लिए वो एक वेट्रेस के रूप में काम करने लगी।

9 जनवरी 1947 को अचानक से सब बदल गया, एलिजाबेथ शॉर्ट गायब हो गईं। इसके पांच दिन बाद पुलिस को रु के साउथ नॉर्टन एवेन्यू के 3800 ब्लॉक स्थित लीमर्ट पार्क के पास उनकी कमर से नीचे कटी हुई लाश मिली, जिसने भी उनकी हत्या की थी उसने उनके चेहरे को मुंह से कान तक चीर दिया था, इतना ही नहीं कमर से नीचे के उनके शरीर को काट कर दो भागों में बांट दिया गया था। एलिजाबेथ शॉर्ट की हत्या की शुरूआत में 60 लोगों ने यह बात कबूली की उन्होंने ही यह निर्मम हत्या की है, लेकिन पुलिस ने इन लोगों को छोड़ दिया क्योंकि इनका जुर्म कभी साबित नहीं हुआ। इतना ही नहीं इन लोगों के बाद भी और व्यक्ति सामने आते गए और उन्होंने इस जुर्म को अपने सिर पर लिया लेकिन साबित नहीं हो पाया। इन लोगों में कई लोग ऐसे भी थे जो इस हत्याकांड के बाद जन्मे थे। इम मामले में 500 से अधिक लोग सामने आकर जुर्म कबूल चुके हैं, जिसमें ज्यादातर पुरूष थे।

# भूमाफियाओं के आगे योगी का बुलडोजर पस्त

## भाजपा नेताओं की सरपरस्ती में फल-फूल रहे माफिया

» मेरठ में योगी सरकार को चुनौती दे रहे हैं माफिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एक तरफ जहां उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश से गुंडों का एनकाउंटर और भूमाफियाओं का बुलडोजर से सफाया करने में लगे हैं, वहीं कुछ गुंडे और भू-माफिया ऐसे भी हैं, जिनके आगे सीएम योगी का बुलडोजर पस्त है क्योंकि उनके सिर पर कुछ भाजपा नेताओं का हाथ है इसलिए योगी का प्रशासन उनका कुछ नहीं बिगाड़ पा रहा है। मेरठ में भी कुछ ऐसे भू-माफिया हैं, जो अपनी गुंडागर्दी के दम पर न सिर्फ योगी सरकार को चुनौती दे रहे हैं, बल्कि सीएम योगी के सुशासन और गुंडाराज मुक्त उनकी सोच पर भारी पड़े हुए हैं। स्थानीय लोग और कुछ पीड़ित बताते हैं कि प्रशासन इन भू-माफिया के आगे पानी भरता है। मेरठ में भू-माफिया ने कई किसानों और सरकार की जमीनों को भी हड़प लिया है, जिसकी वजह से एक किसान ने कुछ साल पहले आत्महत्या तक कर ली थी। इन भू-माफियाओं ने गुंडागर्दी के दम पर न सिर्फ किसानों की जमीनों पर कब्जा कर लिया है, बल्कि धमकी देते हैं कि उनका कुछ बिगाड़ने वाला कोई माई का लाल आज तक दुनिया में पैदा नहीं हुआ है। तो क्या माना जाए कि भू-माफियाओं की ये धमकी सीधे-सीधे योगी की जीरो टॉलरेंस सुशासन व्यवस्था और उनके प्रशासन को चुनौती देने जैसा है? भू-माफियाओं ने किसान परिवार की जमीन में से रास्ता बनाए रखने दबाव बना रहा है और जमीन के एक बड़े हिस्से पर अपना कब्जा जमाना चाहता है। इस मामले में उपजिलाधिकारी के पत्रांक-667/एसटी/एसडीएम ने 1 अगस्त 2024 को जिलाधिकारी को पत्र लिखकर भी बताया कि उक्त जमीन किसान परिवार की है, लेकिन इसके बावजूद भू-माफिया के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई और न ही किसान परिवार की जमीन भू-माफिया के कब्जे से मुक्त कराई गई। आज तक भू-माफियाओं के खिलाफ न तो कोई कार्रवाई हुई और न ही पीडितों की दीवार बनाने की पुलिस प्रशासन और कोई अधिकारी हिम्मत दिखा पाया।

### कोर्ट के निर्देश पर बनाई गई दीवार भी तोड़ी

मेरठ के कंकरखेड़ा थाना क्षेत्र के रहने वाले कथित बिल्डर और भू-माफिया अखिलेश, भू-माफिया रमेश यादव ने स्थानीय किसान सुशील, विरेंद्र, जगत सिंह और बलजीत सिंह गांव नंगला ताशी, थाना कंकरखेड़ा, जिला मेरठ की जमीन, जिसका खसरा संख्या 616 है, पर कब्जा करने की नीयत से उनकी न्यायालय के निर्देश पर बनाई गई दीवार को तोड़कर उनका खेती-बाड़ी का सामान और कृषि यंत्र फेंक दिए और पीछे में अपनी प्लाटिंग की जमीन का रास्ता जो तीर्थकुंज का रास्ता शामली हाइवे पर निकालने की नियत है, इन भू-माफियाओं ने अपना रास्ता होने के बावजूद किसान परिवार की जमीन छीनने की नीयत से उनकी दीवार तोड़कर एक और रास्ता निकाल लिया है, जिसकी शिकायत पीड़ित किसानों ने कंकरखेड़ा थाने के अलावा जिले के तमाम अधिकारियों से भी की, लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि जिला प्रशासन दबाव में कार्रवाई करने में नाकाम है।

### मुख्य सचिव को पीड़ित किसानों ने लिखी चिट्ठी

पीड़ित किसानों ने मजबूरन प्रदेश के मुख्य सचिव को 24 जून 2024 को भी अपनी पीड़ा एक पत्र लिखकर बताई, जिस पर मुख्य सचिव ने मेरठ के जिलाधिकारी, मेरठ मंडल के अपर आयुक्त को संज्ञान लेने के लिए निर्देशित किया, पीड़ित किसानों ने बताया कि इस मामले में मेरठ मंडल के कमिश्नर द्वारा आदेश के बाद पुलिस सुरक्षा में उनकी जमीन की तारबंदी और दीवार कराई गई, लेकिन भू-माफिया अखिलेश और रमेश यादव अपने गिरोह के मिलकर ने उसे जबरन तोड़ दिया। पीड़ित किसानों ने फिर पुलिस और स्थानीय प्रशासन से इस बारे में बार बार गुहार लगाई, लेकिन जब कुछ नहीं हुआ तो तंग आकर किसान रुपेश पवार ने साल 2021 में वाद संख्या 1293/2021 न्यायालय सिविल जज (सीडी), मेरठ में दर्ज किया, जिसके आधार पर 27 अक्टूबर 2021 को न्यायालय ने भू-माफियाओं को उक्त किसान परिवार की जमीन पर कब्जा और हस्तक्षेप न करने का आदेश पारित किया था। जब भू-माफियाओं ने न्यायालय से इस मामले में हस्तक्षेप के लिए याचिका दायर की, तो न्यायालय ने उनकी याचिका को निरस्त कर दिया।

# जसप्रीत बुमराह फिर बने टेस्ट रैंकिंग में नम्बर वन

» बल्लेबाजी में यशस्वी दूसरे नंबर पर, कोहली को भी नौ पायदानों का हुआ फायदा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दुबई। भारतीय टीम के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह आईसीसी की जारी ताजा टेस्ट रैंकिंग में एक बार फिर शीर्ष स्थान पर पहुंच गए हैं। बुमराह ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट मैच में शानदार प्रदर्शन किया था और कुल आठ विकेट झटके थे। बुमराह ने दक्षिण अफ्रीका के कैगिसो रबाड़ा को पीछे छोड़ा और एक कैलेंडर वर्ष में दूसरी बार टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में पहले स्थान पर पहुंच गए। इससे पूर्व बुमराह गेंदबाजों की रैंकिंग में रबाडा और जोश हेजलवुड के बाद तीसरे स्थान पर थे।

**बुमराह ने रबाडा को पीछे छोड़ा**

श्रीलंका के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका की तेज गेंदबाजी की अगुआई कर रहे रबाडा दूसरे स्थान पर खिसक गए हैं। भारत के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में पांच विकेट लेने के बावजूद ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड तीसरे स्थान पर हैं। वहीं भारत को ऑस्ट्रेलिया पर मिली 295 रनों की जीत में अहम योगदान देने वाले यशस्वी जायसवाल ने भी रैंकिंग में छलांग लगाई है। यशस्वी बल्लेबाजों की रैंकिंग दो स्थान के सुधार के साथ दूसरे स्थान पर आ गए हैं। उनसे आगे फिलहाल इंग्लैंड के जो रूट हैं। यशस्वी की रेटिंग अंक 825 है जो उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग है। यशस्वी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट की दूसरी पारी में 161 रनों की पारी खेली थी। वहीं, पर्थ टेस्ट में नाबाद शतकीय पारी खेलने वाले स्टार भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली को भी नौ स्थान का फायदा हुआ है और वह 13वें स्थान पर आ गए हैं। कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट मैच की दूसरी पारी में नाबाद 100 रन बनाए थे।

### उर्विल ने पंत को पीछे छोड़ लगाया सबसे तेज टी20 शतक

**इंदौर।** गुजरात के विकेटकीपर बल्लेबाज उर्विल पटेल ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में त्रिपुरा के खिलाफ दमदार पारी खेली और ऋषभ पंत का रिकॉर्ड तोड़ दिया। उर्विल ने महज 28 गेंदों पर शतक लगाया और टी20 प्रारूप में सबसे तेज सैकड़ा लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए। उर्विल से पहले यह रिकॉर्ड पंत के नाम था जिन्होंने 2018 में इसी टूर्नामेंट में हिमाचल प्रदेश के खिलाफ 32 गेंदों पर शतक लगाया था। उर्विल ने अपनी पारी में 12 छक्के और सात चौके लगाए। उर्विल इसके साथ ही टी20 क्रिकेट में सबसे तेज शतक लगाने वाले दुनिया के दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। उनसे आगे सिर्फ एस्टोनिया के साहिल चौहान हैं जिन्होंने साइप्रस के खिलाफ 27 गेंदों पर सैकड़ा जड़ा था।

# जाम को हटाने में जुटी पुलिस, कटे कई चालान

» कस्बा दोस्तपुर में सड़क पर गलत तरीके से खड़ी गाड़ियों और दुकानदारों पर सख्ती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दोस्तपुर। स्थानीय कस्बा दोस्तपुर में बढ़ती ट्रैफिक जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए पुलिस प्रशासन ने सक्रियता बढ़ा दी है। थानाध्यक्ष पंडित त्रिपाठी ने विशेष अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने कस्बे की मुख्य सड़कों पर व्यस्त समय में चल रही अव्यवस्थाओं को सुधारने के लिए कई कदम उठाए। थाना प्रभारी ने खुद सड़कों पर उतरकर गलत तरीके से खड़ी और ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाली दर्जनों गाड़ियों का चालान किया।

ट्रैफिक जाम की समस्या का प्रमुख कारण मुख्य बाजारों और व्यस्त मार्गों पर अव्यवस्थित तरीके से खड़ी गाड़ियां थीं, जिन्हें पुलिस ने चिह्नित कर तुरंत हटवाया। साथ ही कस्बे में सड़क पर कब्जा करके ठेले लगाने वाले वालों को भी हिदायत दी गयी। इसके अलावा, सड़क किनारे और मुख्य मार्गों पर दुकान लगाने वालों को भी चेतावनी दी गई। पुलिस ने दुकानदारों को साफ-साफ बताया कि भविष्य में ऐसे उल्लंघन पर जुर्माना भी लगाया जाएगा और दुकान हटवाने की कार्रवाई की जाएगी। थाना प्रभारी ने कहा, हमारे कस्बे में जाम की समस्या गंभीर हो चुकी थी। इसे देखते हुए हमने एक विशेष अभियान शुरू किया है ताकि यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाया जा सके। यह हमारी प्राथमिकता है कि लोगों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने आगे कहा कि पुलिस लगातार ऐसी कार्रवाई करेगी, ताकि सड़क पर अव्यवस्था न फैले और लोग सुरक्षित रूप से अपनी यात्रा कर सकें।

# नवाब मलिक के मामले में हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

» समीर की याचिका पर सुनवाई, कोर्ट ने जांच की प्रगति पर किया सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने गुरुवार को समीर वानखेड़े की तरफ से राकांपा नेता नवाब मलिक के खिलाफ दर्ज कराए गए एक मामले में सुनवाई की। कोर्ट ने इस मामले में मुंबई पुलिस से जांच से जुड़ी जानकारी मांगी।

समीर वानखेड़े ने हाईकोर्ट में याचिका लगा कर इस मामले को सीबीआई को सौंपे जाने की मांग की थी। उन्होंने पुलिस पर कार्रवाई आगे न बढ़ाने का आरोप लगाया था। मामले पर सुनवाई के दौरान जस्टिस रेवती मोहिते डेरे और पृथ्वीराज चव्हाण की बेंच ने मुंबई की गोरेगांव पुलिस स्टेशन के इस मामले से जुड़े पुलिस अधिकारी को केस डायरी के साथ अगली सुनवाई में मौजूद रहने का आदेश दिया।

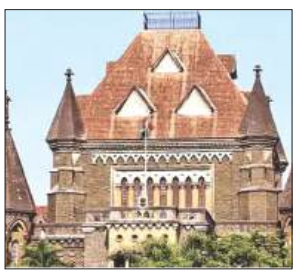

# इस प्रदूषण के लिए कौन जिम्मेदार?

फोटो: सुमित कुमार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इकाना स्टेडियम के पास कूड़े के ढेर में लगी आग से उठता धुंआ। मौजूदा समय में राजधानी लखनऊ में वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर पर है और कहीं भी कूड़े पर आग लगाने पर रोक लगी हुई है। वहीं सरकारें किसानों को पराली जलाने पर तो जुर्माना दर बढ़ाती जा रही है पर जो लोग कूड़ा जला रहे हैं उन पर निगाहें फेर रही है। पराली तो एक समय बाद जली बंद हो जाती है पर कूड़ा राजधानी के हर वार्ड में पूरे साल जलाया जाता है। अभी ठंड की जैसे ही बढ़ोत्तरी होगी वैसे ही लोग टायर समेत प्रदूषण फैलाने वाली वस्तुओं को जलाना शुरू कर देंगे।

# पेट्रोल-डीजल पर टैक्स लगाकर जनता को लूट रही सरकार: खरगे

## » बोले- पांच साल में 36 लाख करोड़ कमाए, क्रूड सस्ता फिर भी राहत नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मोदी सरकार पर पेट्रोल-डीजल पर लूट करने का आरोप लगाया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि मई 2014 से लेकर अब तक अंतरराष्ट्रीय क्रूड ऑयल में 32 प्रतिशत की गिरावट आई है, लेकिन मोदी सरकार ने लोगों को कोई राहत नहीं दी।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि पेट्रोल-डीजल पर टैक्स लगाकर सरकार का खजाना भर रही है। अगर पिछले पांच साल की बात करें तो पेट्रोल-डीजल पर बढ़ाए गए टैक्स के चलते सरकार ने 36 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि एकत्रित कर ली है। भाजपा के राज्यसभा सांसद रणदीप सुरजेवाला ने सदन में यह सवाल पूछा था कि गत पांच वर्ष के दौरान पेट्रोल-डीजल पर लगाए गई सेंट्रल एक्साइज ड्यूटी, टैक्स एवं सैस, के चलते कितना राजस्व एकत्रित हुआ है। कांग्रेस सांसद ने यह भी पूछा था कि मार्च 2024 से लेकर अब ग्लोबल क्रूड प्राइस 21 प्रतिशत कम हुआ था, क्या इसके बाद पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई छूट प्रदान की गई है। मोदी सरकार तर्क ये देगी कि ये पैसा कल्याणकारी योजनाओं और इन्फ्रास्ट्रक्चर पर खर्च होता है।

## प्रधानमंत्री का पूरा ध्यान महंगाई घटाने पर नहीं, बल्कि केवल महंगाई के आंकड़ों को कम दिखाने पर : जयराम

गुरुवार को संसद सदस्य एवं कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने अपने बयान में कहा, प्रधानमंत्री का पूरा ध्यान महंगाई घटाने पर नहीं, बल्कि केवल महंगाई के आंकड़ों को कम दिखाने पर है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) और थोक मूल्य सूचकांक (डब्लूपीआई) के आंकड़ों को इस तरह से पेश करने की कोशिश जा रही है कि महंगाई नियंत्रित दिखे। जमीनी हकीकत यह है कि आम जनता की जेब पर बोझ लगातार बढ़ रहा है। पिछले दस सालों में मोदी सरकार की गलत आर्थिक नीतियों के कारण महंगाई लगातार बढ़ी है।

## वक्फ विधेयक को लेकर बनी जेपीसी का कार्यकाल बढ़ाया गया

वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर बनी संयुक्त संसदीय समिति का कार्यकाल बढ़ गया है। लोकसभा ने भी इसे मंजूरी दे दी है। मंजूरी के बाद जेपीसी का कार्यकाल बजट सत्र के आखिरी दिन तक रहेगा। जेपीसी को वक्फ विधेयक पर अपनी रिपोर्ट संसद की शीतकालीन सत्र में पेश करनी थी, लेकिन विपक्षी सांसदों की मांग पर इसका कार्यकाल बजट सत्र के आखिरी दिन तक बढ़ा दिया गया है।

# बगैर इस्तेमाल बिजली का भुगतान कर रही बिहार की जनता: राजद

## » बिहार विधानसभा सत्र : विपक्ष ने नीतीश सरकार को स्मार्ट मीटर पर घेरा

## » सरकार का दावा सब्सिडी पर गरीबों को बिजली मिल रही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिजली के स्मार्ट प्रीप्रेड मीटर पर बिहार की नीतीश कुमार सरकार अपना पीठ थपथपा रही है और सामने जनता इससे परेशान है। बगैर इस्तेमाल किए भी बिजली का पैसा भुगत रही जनता के मुद्दे को विपक्ष ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में बड़ा मुद्दा बनाने की तैयारी कर ली है। शीतकालीन सत्र में भी रोज इसपर हंगामा हो रहा है। गुरुवार को भी बिहार विधानमंडल परिसर में इसपर हंगामा होता रहा। अजूबा यह रहा कि इस गंभीर मसले को भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने हवा में उड़ा दिया। क्या कहा, वह जानने लायक है और समझने लायक भी कि सरकार इसपर आगे क्या रुख अपनाएगी। बिहार सरकार के मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि नीतीश सरकार ने सब्सिडी पर गरीबों को बिजली देना शुरू किया। गरीबों ने आवाज उठाना बंद कर दिया तो विपक्ष का हवा निकल गई। पहले यह लोग सर्वे, स्मार्ट मीटर और बेरोजगारी का मुद्दा उठा रहे थे लेकिन नीतीश कुमार ने इनकी हवा लगा दी। अब विपक्ष के लोग एक दो दिन बाद खंभा ही नोचेंगे।

फोटो:4 पीएम

**खुशी** लोकसभा में प्रियंका गांधी वाड्रा के शपथ लेने के बाद प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने बांटी मिठाई।

# दिल्ली में धमाका एक युवक घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के प्रशांत विहार इलाके में धमाके की खबर है। दिल्ली पुलिस को सुबह करीब 11.48 बजे धमाके के संबंध में कॉल आई, जिसके बाद तुरंत मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल को भेजा गया। वहीं, अग्निशमन विभाग को भी सूचित किया गया, दमकल की गाड़ियां भी मौके पर भेजी गई हैं। जैसे ही धमाका हुआ, बिना देरी करते हुए इसकी जानकारी स्थानीय लोगों ने पुलिस कंट्रोल रूम को दिया है, उन्हें बताया गया कि प्रशांत विहार में बंसी स्वीट्स के पास धमाका हुआ है।

जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई, मामले की जांच चल रही है. अभी यह नहीं पता चला है कि यह धमाका किसमें हुआ है और धमाका किस प्रकार का था। इससे जुड़ा वीडियो भी सामने आया है, धमाका दिन के व्यस्ततम समय में हुआ है, आसपास गाड़ियां गुजर रही हैं, वीडियो में लोगों की भीड़ देखी जा रही है, जबकि पुलिस उन्हें इलाके से हटाने में जुटी हुई है।

# हमें न तो बांटा जा सकता और न चुप कराया जा सकता: हेमंत सोरेन

## » राज्य के लोगों की एकता को बताया सबसे बड़ा हथियार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड के कार्यवाहक मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने एकता को सबसे बड़ा हथियार बताया। उन्होंने कहा कि राज्य के लोगों का सबसे बड़ा हथियार एकता है। इसे न तो बांटा जा सकता और न ही चुप कराया जा सकता है। सीएम शपथ लेने से कुछ घंटे पहले सोरेन ने भाजपा नीत केंद्र सरकार पर हमला बोला।

उन्होंने कहा कि जब भी वे हमें चुप कराने की कोशिश करते हैं तो क्रांति तेज हो जाती है। उन्होंने आगे कहा, किइस बारे में कोई संदेह नहीं रहना चाहिए कि हमारी एकता हमारा सबसे बड़ा हथियार है। हमें न तो बांटा जा सकता है और न ही चुप कराया जा सकता है। जब भी वे हमें पीछे धकेलने की कोशिश करते हैं, हम आगे बढ़ जाते हैं। जब भी वे हमें चुप कराने की कोशिश करते हैं, तो हमारे विद्रोह की आवाज तेज हो जाती है क्योंकि हम झारखंडी हैं और झारखंडी नहीं झुकते। जब सामाजिक ढांचे में गहरी दरारें उभर रही हैं तो एकता का संकल्प लेने की जरूरत है।

अबुआ सरकार (स्वशासन) के लिए लोगों को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि झारखंड ने हमेशा विरोध और संघर्षों को जन्म दिया है और झामुमो हर दिन भगवान बिरसा मुंडा, सिदो-कान्हू, अमर शहीद तेलंगा खारिया, फूलो-झानो, पोटो हो और शेख भिखारी जैसे नायकों की विरासत को आगे बढ़ा रहा है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।